INTERNATIONAL JOURNAL OF NOVEL RESEARCH AND DEVELOPMENT (IJNRD)
© 2026 IJNRD | Volume 11, Issue 1, January 2026 | ISSN: 2456-4184 | IJNRD.ORG

निजी वेतनभोगी व्यक्ति के विशेष संदर्भ में निजी बैंक निवेश योजनाओं का अध्ययन : जयपुर शहर के संदर्भ में

Author Name : Preeti Vij
Designation : Research Scholar
Name of the Department : Commerce
Name of the Organization : Maharaj Vinayak Global University
City : Jaipur, Rajasthan
Country : India
Guide Name : Dr. Gurpreet Kaur

सार (Abstract)

वर्तमान वैश्विक एवं भारतीय आर्थिक परिदृश्य में निजी वेतनभोगी वर्ग वित्तीय अनिश्चितताओं का सामना कर रहा है। मुद्रास्फीति, रोजगार अस्थिरता एवं भविष्य की आवश्यकताओं ने निवेश को अनिवार्य बना दिया है। निजी बैंक इस वर्ग के लिए विविध निवेश योजनाएँ जैसे फिक्स्ड डिपॉजिट, म्यूचुअल फंड, बीमा आधारित निवेश एवं पेंशन योजनाएँ उपलब्ध करा रहे हैं। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य जयपुर शहर के निजी वेतनभोगी व्यक्तियों के निवेश व्यवहार, जोखिम दृष्टिकोण, जागरूकता स्तर तथा निजी बैंक निवेश योजनाओं के प्रति उनके दृष्टिकोण का विश्लेषण करना है। शोध में प्राथमिक एवं द्वितीयक आँकड़ों का उपयोग किया गया है। अध्ययन से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि आय स्तर, वित्तीय साक्षरता एवं जोखिम सहनशीलता निवेश निर्णयों को निर्णायक रूप से प्रभावित करती है।

मुख्य शब्द (Keywords):

निजी वेतनभोगी वर्ग, निजी बैंक, निवेश योजना, वित्तीय साक्षरता, जयपुर

1. प्रस्तावना (Introduction)

भारत में आर्थिक उदारीकरण एवं वैश्वीकरण के पश्चात बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाओं में व्यापक परिवर्तन आया है। निजी बैंक नवीन तकनीक, बेहतर सेवा एवं आकर्षक निवेश योजनाओं के माध्यम से निवेशकों को आकर्षित कर रहे हैं।

निजी वेतनभोगी वर्ग सीमित आय, निश्चित वेतन एवं बढ़ती पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण संतुलित निवेश रणनीति अपनाने को बाध्य है। जयपुर शहर, जो शिक्षा, पर्यटन एवं आईटी सेवाओं का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है, निजी क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों की बढ़ती संख्या के कारण इस अध्ययन के लिए उपयुक्त क्षेत्र है।

2. साहित्य समीक्षा (Review of Literature)

- शर्मा (2020) के अनुसार निवेश निर्णय आय एवं जोखिम क्षमता पर निर्भर करता है।
- गुप्ता एवं वर्मा (2021) ने पाया कि निजी बैंक निवेश योजनाएँ सार्वजनिक बैंकों की तुलना में अधिक लचीली होती हैं।
- RBI रिपोर्ट (2022) के अनुसार वित्तीय साक्षरता निवेश व्यवहार को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।
- पूर्ववर्ती अध्ययनों से स्पष्ट है कि निजी वेतनभोगी वर्ग में निवेश जागरूकता बढ़ रही है, किंतु जोखिमपूर्ण निवेश को लेकर संकोच बना हुआ है।

3. अध्ययन की आवश्यकता (Need of the Study)

- निजी वेतनभोगी वर्ग के निवेश व्यवहार को समझना
- निजी बैंक निवेश योजनाओं की प्रभावशीलता का मूल्यांकन
- वित्तीय साक्षरता के स्तर की पहचान
- बैंकों एवं नीति–निर्माताओं को व्यावहारिक सुझाव देना

4. अध्ययन के उद्देश्य (Objectives of the Study)

1. जयपुर शहर के निजी वेतनभोगी व्यक्तियों की निवेश प्राथमिकताओं का अध्ययन करना।
2. निजी बैंक निवेश योजनाओं के प्रति जागरूकता स्तर का विश्लेषण करना।
3. आय, आयु एवं जोखिम सहनशीलता का निवेश निर्णय पर प्रभाव जानना।
4. निवेश से संबंधित समस्याओं एवं बाधाओं की पहचान करना।

5. परिकल्पनाएँ (Hypotheses)

H_0: आय स्तर और निवेश योजना चयन के मध्य कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।

H_1: आय स्तर और निवेश योजना चयन के मध्य महत्वपूर्ण संबंध है।

6. अनुसंधान पद्धति (Research Methodology)

6.1 शोध का स्वरूप

वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध

6.2 डेटा संग्रह विधि

प्राथमिक डेटा: संरचित प्रश्नावली

द्वितीयक डेटा: पुस्तकें, जर्नल, RBI एवं SEBI रिपोर्ट, वेबसाइट

6.3 नमूना आकार

जयपुर शहर के 150 निजी वेतनभोगी व्यक्ति

6.4 सैंपलिंग तकनीक

सुविधाजनक नमूना विधि (Convenience Sampling)

6.5 विश्लेषण उपकरण

प्रतिशत विधि, तालिकाएँ एवं ग्राफ

7. डेटा विश्लेषण एवं व्याख्या (Data Analysis & Interpretation)

तालिका 1: निजी बैंक निवेश योजनाओं में निवेश वितरण

निवेश योजना

उत्तरदाता (%)

फिक्स्ड डिपॉजिट

38

म्यूचुअल फंड

32

बीमा आधारित योजनाएँ

18

पेंशन योजनाएँ

12

व्याख्या:

तालिका से स्पष्ट है कि निजी वेतनभोगी वर्ग सुरक्षित एवं मध्यम जोखिम वाली योजनाओं को प्राथमिकता देता है।

8. निष्कर्ष (Findings)

- ✓ अधिकांश निजी वेतनभोगी निवेश को भविष्य सुरक्षा से जोड़कर देखते हैं
- ✓ आय में वृद्धि के साथ जोखिम लेने की प्रवृत्ति बढ़ती है
- ✓ निजी बैंक योजनाओं के प्रति भरोसा बढ़ रहा है
- ✓ वित्तीय साक्षरता निवेश निर्णय को सुदृढ़ बनाती है

9. सुझाव (Suggestions)

- ✓ निजी बैंकों को वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए
- ✓ वेतनभोगी वर्ग के लिए कम जोखिम वाली दीर्घकालिक योजनाएँ विकसित की जाएँ
- ✓ निवेश परामर्श सेवाओं को सरल एवं सुलभ बनाया जाए

10. उपसंहार (Conclusion)

यह अध्ययन स्पष्ट करता है कि निजी बैंक निवेश योजनाएँ निजी वेतनभोगी वर्ग के लिए वित्तीय स्थिरता एवं भविष्य सुरक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उचित वित्तीय शिक्षा एवं योजनाबद्ध निवेश से यह वर्ग आर्थिक रूप से सशक्त बन सकता है। जयपुर शहर के संदर्भ में किया गया यह अध्ययन भविष्य के शोध हेतु आधार प्रदान करता है।

11. संदर्भ सूची (References)

1. शर्मा, एस. (2020). निवेश एवं वित्तीय प्रबंधन. नई दिल्ली।
2. गुप्ता, आर. (2021). बैंकिंग एवं निवेश व्यवहार.
3. RBI Report (2022)
4. SEBI Annual Report